भारत सरकार

भारी उद्योग मंत्रालय

राज्यसभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2309

19.12.2025 को उत्तर के लिए नियत

ऑटोमोबाइल और ऑटो/कंपोनेंट के लिए पीएलआई योजना के अंतर्गत स्थानीयकरण प्रतिबद्धता की उपलब्धि

2309 **श्रीमती गीता उर्फ चन्द्रप्रभाः**

क्या **भारी उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) निरंतर आयात पर निर्भर रहने वाले घटकों सहित, ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट उद्योग के लिए उत्पादन से संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत लाभार्थियों ने स्थानीयकरण और मूल्य-संवर्धन प्रतिबद्धता को किस सीमा तक पूरा किया है;

(ख) क्या लाभार्थियों द्वारा प्रस्तुत किए गए निवेश दावों, उत्पादन से संबद्ध उपलब्धि और स्थानीयकरण आंकड़ों को सत्यापित करने के लिए कोई स्वतंत्र या तृतीय पार्टी लेखापरीक्षा किया गया है; और

(ग) क्या मंत्रालय ऑटो-कंपोनेंट आपूर्ति श्रृंखला में एमएसएमई के लिए मशीनरी को उन्नयित करने, परीक्षण क्षमता बढ़ाने और पीएलआई-संरेखित मानक प्राप्त करने के लिए विशेष समर्थन देने का विचार रखता है?

उत्तर

भारी उद्योग राज्य मंत्री

(श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा)

(क): गहन स्थानीयकरण को सुगम बनाने के लिए, पीएलआई-ऑटो स्कीम उन उन्नत ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी (एएटी) उत्पादों को प्रोत्साहन देती है जिनके लिए निर्धारित घरेलू मूल्य संवर्धन (डीवीए) प्राप्त किया गया है। 15.12.2025 तक, पीएलआई-ऑटो स्कीम के तहत 131 उत्पादों/वेरिएंट के लिए 18 आवेदकों को डीवीए प्रमाणपत्र प्राप्त हुए हैं।

(ख) और (ग) : स्कीम के दिशानिर्देशों के अनुसार, आवेदक के वैधानिक लेखा परीक्षक (एसए) को प्रोत्साहन दावों, निवेश और पात्र बिक्री डेटा का ऑडिट और सत्यापन करने का कार्य सौंपा गया है। पीएलआई-ऑटो स्कीम के तहत उन्नत ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी (एएटी) उत्पादों की घरेलू आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने के लिए ₹25,938 करोड़ का आवंटन किया गया है। यह स्कीम ऑटोमोबाइल क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा दे रही है, जिससे आपूर्ति श्रृंखला की स्थापना के साथ-साथ विनिर्माण गतिविधि में समग्र वृद्धि हो रही है, जहां लघु और मध्यम आकार के उद्यम (एसएमई) भाग ले सकते हैं और इस पारिस्थितिकी तंत्र से लाभान्वित हो सकते हैं।

****